16 10 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

FIFTY-EIGHTH REPORT

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI K. RAGHU RAMAIAH): I beg to present the Fifth-eighth Report of the Business Advisory Committee

16.12 hrs.

DISCUSSION RE REPORT OF THE COMMITTEE ON DRUGS AND PHARMACEUTICAL INDUSTRY

MR CHAIRMAN The House will now take up the discussion under rule 193. Shri Ramavatar Shastri

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) : सभापति जी, हमारा देश बहुत ही गरीब है और 28 वर्षों की आजादी के बाद भी इस की गरीबी मे बहुत कमी नही आई है। जिस तरीके मे हमारी जिन्दगी के लिए भोजन, वस्त्र और मकान जरूरी है, उसी तरीके मे दवा भी हमारे जीवन के लिए जरूरी है और खास तौर मे जो आवश्यक दवाए है, वे तो और भी ज्यादा जरूरी है। लेकिन दुख है कि पिछले 28 वर्षों के अन्दर अभी तक हम हिन्दुस्तान के केवल 25 फीसदी लोगो को दवा दे सके है या उन के पास दवा पहुचा सके है। खास तौर से देहातो के अन्दर दवाओ का नितान्त अभाव है और गरीब बिना दवा के मरते है, बिना खाने के तो मरते ही है। दवा भी उन्हे आवश्यकता होने पर नही मिलती।

मैं यह कहना चाहता हू कि एक तरफ तो यह स्थिति है और दूसरी तरफ हम देखते है कि हमारे देश में दवाओं के मामले में जितनी बहुजातीय या बहुराष्ट्रीय विदेशी कम्पनिया है, उन्होंने दवा उद्योग पर अपना शिकंजा जमा लिया है और वे नही चाहती कि भारतीय दवा उद्योग विकसित हो और यहा की आम जनता को सस्ती से सस्ती और आवश्यकता के मुताबिक उन को दवाएं मिले।

इन बातो की जाच के लिए सरकार ने हाथी कमेटी का गठन किया था, जिस कमेटी मे माननीय सदस्य भी थे, दवा उद्योग के कुछ उद्योगपति भी थे और कुछ बडे बडे वैज्ञानिक भी थे। उन तमाम लोगो ने बहुत मेहनत कर के, परिश्रम कर के, तमाम चीजो का पता लगा कर सरकार के सामने अपनी सिफारिशे की थी और उन की सख्या 200 से अधिक है। उन मे से एक मुख्य सिफारिश यह थी कि बहुराष्ट्रीय दवा कम्पनियो को, इजारेदार विदेशी कम्पनियो को सरकार को अपने हाथ मे लेना चाहिए लेकिन सरकार अभी तक उन को लेने मे हीलहवाला कर रही है, उन्हे लेने से इकार कर रही है। यह सिफारिश हाथी कमेटी की सब से महत्वपूर्ण सिफारिश थी।

सभापति जी, हमारे देश मे बहुजातीय कम्पनियो की सख्या 66 है और उनका शिकजा हमारे देश के दवा उद्योग पर बडा जबर्दस्त है। इन मे से दस कम्पनिया ऐसी है जिन की सो फीसदी इक्विटी या शेयर विदेशी है। 50 से 99 प्रतिशत शेयर वाली 24 विदेशी कम्पनिया है। 40 से 50 प्रतिशत शेयर वाली 15 कम्पनिया है। 26 से 40 प्रतिशत वाली 11 कम्पनिया है और 26 प्रतिशत से कम वाली 6 कम्पनिया है। इस तरह से जहा तक बहुराष्ट्रीय कम्पनियो का सम्बन्ध है जो हमारे देश